πλευρόν quasi पार्श्वर्, ejecto आ et श्, mutato र् in λ; L. Diefenbach apte huc trahit lith. *pussē* dimidium, per assimil. e *pursē*.)

पार्श्वतस् *Adv.* (a praec. s. तस्) ad latus, a latere. Su. 3. 25. 27.

पार्ष्णि *m.f.* calx. (Goth. *fairzna* pro *firzna* - v. gr. comp. 82. - attenuato आ in *i*; et germ.vet. *fersna* nituntur formâ पार्ष्णि; ita gr. πτέρνα adjecto τ; cf. पृष्ठ dorsum, tergum.)

पाल् 10. *P. interdum A.* (रक्षणे *K.* रक्षे *V.*) 1) servare, tueri. R. Schl. I. 45. 29.: पालया ऽस्मान्; Mah. 1. 8414.: क्षीणान् अस्मान् बालकान् पालयस्व· 2) regere. R. Schl. I. 5. 11.: ताम् पुरीम् पालयामास; Dev. 1. 11. 12. (V. पा unde पाल्, quod etiam pro *Caus.* radicis पा habetur, adjecto ल्; cf. hib. *fal* «guarding, tending cattle», *falaim* «I hedge, inclose»; v. पाल·)

c. अनु *i. q. simpl.* sens. 1. Man. 1. 27. R. Schl. I. 1. 24.: प्रतिज्ञाम्; II. 34. 43.: निदेशम्·

c. अभि *id.* Mah. 3. 8472.

c. परि 1) *i. q. simpl.* Br. 2. 28. N. 5. 44. 2) exspectare. R. Schl. II. 70. 13.: मुहूर्तम् परिपाल्यताम्·

c. प्रति 1) *i. q. simpl.* Mah. 1. 3521. 4080. 2) exspectare. Ur. 37. 14.: एनम् अवलोकमार्गे परिपालयामि; Sak. 8. 13.: यावद् एताः ... प्रतिपालयामि· *Intrans.* Mah. 3. 8793.: यावद् आगमनम् मह्यम् तावत् त्वम् प्रतिपालय·

c. सम् servare. Mah. 3. 15249.: प्रतिज्ञाम्·

पाल *m.* (r. पाल् s. अ) servator, custos, dominus, rex, *in fine compp.* N. 2. 8. 21. 17. Bh. 11. 26. In. 1. 1. (Hib. *fal* «a king, privileged person».)

पालन *n.* (r. पाल् s. अन) servatio, tuitio. Hit. 96. 9.

पावक *m.* (r. पू purificare s. अक) ignis. (Conferantur, quod ad syllabam radicalem attinet, gr. πῦρ, germ. vet. *fiur*. Goth. *fôn*, Them. *fôna* ignis formâ convenit cum पवन et पावन, quae ejecto व् coalescerent in पान, quod gothice sonaret *fôna*. Fortasse lat. *focus* e *pocus*, *foveo* e *poveo* sicut *fluo* e *pluo* = प्लवामि a r. प्लु.)

पावन (r. पू s, अन) 1) *n.* purificatio, lustramen. Bh. 18. 5. 2) *Adj.* (*fem.* ई) purus. Ragh. 15. 101.

पाश *m.* (r. पश् ligare s. अ) funis. Sa. 5. 16. (V. r. 1. पश्.)

पाशव (a पशु s. अ, v. gr. 650.) pecuinus. N. 23. 11.

पाशुपत *m.* (a पशुपति - animalium dominus, nomen *Sivi* - suff. अ) sagitta miraculosa *Sivi*. A. 3. 51.

पाषाण *m.* lapis. Hit. 57. 4.: निकषपाषाण «lapis Lydius». (Cf. r. βάσανος.)

1. पि 6. *P.* पियामि (गतौ) ire. *In dial. Vêd.* opimare, fecundum reddere, augere; fecundum fieri, augeri. (V. Westerg. et cf. प्यै, पीन·)

2. पि *Praep. insep.* pro अपि; v. gr. 111.

पिंस् 1. et 10. *P.* (भाषार्थे त्विषि; scribitur पिस्) loqui; lucere.

पिक *m.* (*fem.* पिकी) cuculus Indicus. Nalod. 2. 12. (Cf. lat. *pîca*.)

पिङ्ग (r. पिञ्ज् tingere, colorare) nigricans e gilvo (Wils. *tawny*). H. 2. 2.

पिङ्गल (r. पिञ्ज् s. अल) *id.* Ragh. 12. 71.

पिङ्गाक्ष (*Bah.* e पिङ्ग et अक्ष, v. gr. 681.) e gilvo nigricantes oculos habens. H. 2. 2.

पिच्च् 10. *P.* (कुट्टने *K.* छेदे *V.*) scindere, abscindere.

पिच्छ *n.* cauda pavonis. *Cf.* पुच्छ·

पिच्छ् 6. *P.* पिच्छामि (बाधे) vexare. *Cf.* मिच्छ्·

1. पिञ्ज् 2. *A.* (वर्णे *K.* वर्णपूजयोः सम्पर्के *V.*; scribitur पिज्, gr. 110[a].) pingere, honorare, conjungere. (V. पिङ्ग, पूज्, पृञ्ज् i. e. पर्ज्, quod fortasse e पञ्ज् mutatâ liquidâ *r* in *n*; cf. lat. *pingo*.)

2. पिञ्ज् 10. *P.* (*V.*; scribitur पिज्, gr. 110[a]). secundum *K.* i. q. हिंस्; secundum *V.* i. q. भा et सट्ट (भाषट्टार्थे).

पिट् 1. *P.* (संहतौ *K.* संहतौ ध्वनौ *V.*) coacervare, sonare. (Cf. पिण्ड्.)

पिण्ड् 1. *A.* 10. *P.* coacervare, colligere. Mah. 1. 298.: अक्षौहिण्यः ... पिण्डिता ऽष्टादश; Ram. I. 26. 5. (Cf. 2. पण्ड्, unde पिण्ड् attenuato अ in इ.)